02-02-2022

एनएसआई की चीनी मिल में गन्ना का पेराई सत्र शुरू

(आज समाचार सेवा)
कानपुर, 1 फरवरी। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान स्थित प्रायोगिक चीनी मिल का 2021-22 का पेराई सत्र आज से शुरू हो गया है। इस प्रायोगिक चीनी मिल को शर्करा प्रौद्योगिकी संकाय के विद्यार्थियों को चीनी बनाने के प्रायोगिक प्रशिक्षण के लिए संचालित किया जाता है। गन्न उत्पादकता एवं परिपक्वता प्रबंधन के विद्यार्थी इस दौरान गन्ने के प्रजातियों की पहचान, परिपक्वता के आधार पर उनकी कटाई प्रबंधन तथा आपूर्ति के संदर्भ मेंआधार भूत ज्ञानार्जन करते है।

पेराई सत्र का शुभारम्भ करते एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन व अन्य।

एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि एनएसआई में विद्यार्थियों को प्रायोगिक प्रदान करने के लिए इस स्तर की सुविधा प्रदान की जाती है और यहां के विद्यार्थियों को उच्च कोचि का माना जाता है। पूरे विश्व के चीनीउत्पादक देशों में अपनी सेवाएं देते है। सहा. आचार्य अनूप कनौजिया ने बताया कि इस इकाई में संस्थान ने निरंतर आधुनिकीकरण

तकनीकी के साथ बारीकियां सीखेंगे विद्यार्थी

किया गया है और मांग के अनुसार रॉ शुगर, प्लांटेशन व्हाइट शुगर अथवा रिफाइंड शुगर का उत्पादन की क्षमता स्थापित है। सत्र के दौरान संस्थान में जूस शोधन के नए तकनीक का भी परीक्षण किया जाएगा जिससे अशुद्धियों के निराकरण हेतु पारंपरिक सेडिमेटेशन के स्थान पर नए विकसित तकनीक फ्लोटेशन का उपयोग किया जाएगा।

प्रशिक्षण के साथ शुरू हुआ शर्करा संस्थान का पेराइ सत्र

कानपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान स्थित प्रायोगिक चीनी मिल पेराई सत्र विद्यार्थियों को चीनी बनाने के प्रशिक्षण के साथ किया गया। यहां संस्थान के निदेशक नरेन्द्र मोहन ने बताया कि राष्ट्रीय शर्करा संस्थान विश्व का एकमात्र ऐसा संस्थान है, जहां विद्यार्थियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिये इस स्तर की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में गन्ना पिराई शस्त्र का शुभारंभ करते निदेशक प्रो.नरेंद्र मोहन, आचार्य अनिल कनौजिया व अन्य। फोटो : एसएनबी

संस्थान में शर्करा प्रौद्योगिकी संकाय के विद्यार्थियों को चीनी बनाने के प्रायोगिक प्रशिक्षण के लिये संचालित चीनी मिल में शुरू हुए पेराई सत्र में गन्ना उत्पादकता व परिपक्वता प्रबंधन के विद्यार्थियों को इसी दौरान गन्ने की विभिन्न प्रजातियों की पहचान और परिपक्वता के आधार पर उनकी कटाई का प्रबंधन व आपूर्ति सम्बंधी आधारभूत ज्ञान दिया जाता है। यहां संस्थान के निदेशक नरेन्द्र मोहन ने बताया कि यह विश्व का एकमात्र ऐसा संस्थान है, जहां प्रायोगिक प्रशिक्षण देने के लिये इस स्तर की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। यही वजह है कि यहां के विद्यार्थियों को न केवल उच्च कोटि का माना जाता है बल्कि उन्हें पूरे विश्व में चीनी उत्पादक देशों में अपनी सेवाएं प्रदान करने का मौका भी मिलता है। सहायक आचार्य अनूप कनौजिया ने बताया कि इस इकाई में मांग के अनुरूप रॉ शुगर, प्लांटेशन व्हाइट शुगर या रिफाइंड शुगर के उत्पादन की क्षमता स्थापित की गयी है। यह देश की एकमात्र ऐसी इकाई है, जहां चीनी के घोल को साफ करने की दो अलग-अलग प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जाता है। इस सत्र के दौरान संस्थान में जूस शोधन के नये तरीकों का परीक्षण किया जायेगा। जिसमें अशुद्धियों को दूर करने के लिये पारम्परिक सेडिमेंटेशन के स्थान पर नई विकसित तकनीक फ्लोट्रेशन का उपयोग किया जायेगा। शर्करा प्रौद्योगिकी के आचार्य डॉ.जाहर सिंह ने बताया कि शुगर प्रोसेसिंग में इस प्रयोग की सफलता से बेहतर गुणवत्ता की चीनी को कम से कम चीनी हानि के द्वारा प्राप्त करने में सफलता मिलेगी।

NSI director inaugurates crushing season

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

The National Sugar Institute, is the only sugar institute in the world where the facility was available for imparting practical training to the students. He said this was the foremost reason why the students from this institute were rated superior and were working across the globe in many sugar producing countries.

This was stated by the Director of NSI, Narendra Mohan, at the inauguration of the crushing season 2021-22 which commenced at the Experimental Sugar Factory of the NSI on Tuesday. The factory was operated to provide hands on training to the students of Sugar Technology course, whereas, the students of Sugarcane Productivity and Maturity Management learn the basics of identifying sugarcane varieties, preparing harvesting schedules and channelising sugarcane supplies.

He said the NSI had continuously carried out modernisation and today it can produce raw, plantation white or refined sugar, as per choice in this unit. Anup Kanaujia, Assistant Prof. and Engineering Head of the factory said this was the only unit in the country which had two distinct techniques of decolorisation of sugar syrup based on ion exchange resins and powdered active carbon. He said this year institute shall make trials of indigenously developed automation system for controlling water requirement for condensers used for creating vacuum. He said this will be a step forward in saving the requirement of water in sugar factories.

He added that it may be mentioned here that during the season, institute shall also make trials on an innovative process of juice clarification where the impurities shall be removed by floatation instead of sedimentation as was being done in conventional process. He said the cost of plant and machinery was to be being borne by the Sugar Technologists Association of India and the success of the process will open new doors for producing better quality sugar with minimum loss of sugar during processing

एनएसआई की प्रायोगिक चीनी मिल चालू

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) की प्रायोगिक चीनी मिल का वर्ष 2021-22 का पेराई सत्र शुरू हो गया है। इस चीनी मिल को शर्करा प्रौद्योगिकी संकाय के छात्र-छात्राओं को प्रायोगिक प्रशिक्षण देने के लिए शुरू किया जाता है। एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि मिल में गन्ना उत्पादकता एवं परिपक्वता प्रबंधन के छात्र-छात्राएं गन्ने की प्रजातियों की पहचान, परिपक्वता के आधार, कटाई प्रबंधन के संबंध में जानकारी हासिल करते हैं। एनएसआई विश्व का इकलौता इंस्टीट्यूट है जहां प्रायोगिक चीनी मिल है। उन्होंने बताया कि इंस्टीट्यूट के छात्र-छात्राएं ही चीनी उत्पादक देशों में सेवाएं देते हैं। शर्करा प्रयोगशाला के अभियांत्रिकी प्रमुख अनूप कनौजिया ने बताया कि प्रायोगिक चीनी मिल विश्व बाजार की मांग के अनुरूप रॉ शुगर, प्लांटेशन व्हाइट शुगर के उत्पादन के लिए उच्चीकृत किया गया है। (ब्यूरो)